नईदुनिया

लोकभवन में लाट साहब बदलने की तैयारी

दिल्ली में लिस्ट फाइनल ▸▸ लखनऊ से भोपाल तक हलचल ▸▸ पांच राज्यों में गवर्नर की कुर्सी पर सस्पेंस

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड और कर्नाटक इन पांच बड़े राज्यों के लोकभवनों में जल्द ही नए चेहरे नजर आ सकते हैं। वजह साफ है। इन सभी राज्यों के राज्यपालों का कार्यकाल पांच साल की सीमा पार कर चुका है और अब केंद्र सरकार नए सामाजिक समीकरण के साथ नए नामों पर मुहर लगाने जा रही है।

कौन कितने साल से लोकभवन में बैठा है

मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल आठ जुलाई 2021 से कुर्सी पर हैं। उत्तर प्रदेश में आनंदी बेन पटेल जुलाई 2019 से लगातार लोकभवन संभाल रही हैं। गुजरात में आचार्य देवव्रत भी जुलाई 2019 से हैं। उत्तराखंड में जनरल गुरमीत सिंह सितंबर 2021 से और कर्नाटक में थावरचंद गहलोत जुलाई 2021 से हैं। यानी सभी ने पांच साल की सामान्य अवधि पूरी कर ली है।

इतिहास कहता है, मध्यप्रदेश में अब तक 23 पूर्णकालिक राज्यपाल रहे हैं। सबसे लंबा कार्यकाल हरि विनायक पाटस्कर का रहा, जो 1957 से 1965 तक आठ साल तक लोकभवन में रहे। सबसे छोटा कार्यकाल डॉ. पट्टाभि सीतारमैया का था, जो केवल सात महीने रहे। लालजी टंडन 2019 में केवल 12 महीने में दुनिया छोड़ गए। रामनरेश यादव ने 2011 से 2016 तक पांच साल पूरे किए।

बदलाव क्यों जरूरी

उम्र एक वजह है। कई गवर्नर 75 पार कर चुके हैं। मिशन 2027 है। उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्यप्रदेश में भाजपा को आदिवासी, दलित और ओबीसी वोट को साधना है। इसलिए लोकभवन में भी उसी वर्ग के चेहरे लाने की तैयारी है। संगठन में नए प्रभारी लग चुके हैं। अब लोकभवन में भी नया खून चाहिए। चौथी वजह कई वरिष्ठ नेताओं को सक्रिय राजनीति से हटाकर सम्मानजनक पद देना है।

किसका नाम रेस में है

दिल्ली के सूत्र बताते हैं कि मध्यप्रदेश के लिए किसी पूर्व केंद्रीय मंत्री को लाया जा सकता है, जो आदिवासी चेहरा हो। उत्तर प्रदेश के लिए किसी पूर्व मुख्यमंत्री के नाम पर चर्चा है, जो अब चुनाव नहीं लड़ना चाहते। गुजरात के लिए संघ पृष्ठभूमि वाले किसी शिक्षाविद को मौका मिल सकता है। उत्तराखंड में फिर से किसी फौजी अफसर को भेजा जा सकता है। कर्नाटक में दलित चेहरे की मांग तेज है। चर्चा में सत्यपाल सिंह बघेल, विनय सहस्त्रबुद्धे और कलराज मिश्र खेमे के कुछ नेताओं के नाम हैं।

दिल्ली में क्या पक रहा है

गृह मंत्रालय ने फाइल तैयार कर ली है। प्रधानमंत्री कार्यालय से हरी झंडी मिलते ही राष्ट्रपति भवन को सूची भेज दी जाएगी। नवरात्रि के बाद कभी भी आदेश आ सकता है।

सिर्फ रबर स्टांप नहीं, अब सियासी सेतु

पहले राज्यपाल को केवल रबर स्टांप माना जाता था, लेकिन अब वह केंद्र और राज्य के बीच सेतु बन गया है। इसलिए इस बार बदलाव सिर्फ औपचारिक नहीं, बल्कि 2027 के चुनाव की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

कालिदास समारोह में प्रदेश की प्रतिष्ठित विभूतियों की स्मृतियों पर होंगे कार्यक्रम

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अखिल भारतीय कालिदास समारोह में प्रदेश की प्रतिष्ठित विभूतियों की स्मृतियों पर केंद्रित कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएं।

इनमें कवि प्रदीप, कृष्ण सरल, शिवमंगल सिंह सुमन और शरद जोशी से संबंधित गतिविधियों को शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने नाट्य विधा से जुड़े वरिष्ठ कलाकारों और निर्देशकों को अधिक अवसर देने तथा युवाओं को प्राथमिकता से जोड़ने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री मंत्रालय में 68वें कालिदास समारोह की केंद्रीय समिति की बैठक में प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा कर रहे थे। समारोह 21 से 27 नवंबर तक आयोजित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की प्रतिभाओं को ऑनलाइन और प्रत्यक्ष कला प्रतियोगिताओं से जोड़ा जाए। एकात्मधाम ओंकारेश्वर, संगीत विद्यालयों और विश्वविद्यालयों की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ क्षेत्रीय बोलियों एवं भाषाओं के प्रतिनिधियों को भी समारोह में शामिल किया जाए। पुलिस बैंड की प्रस्तुति कराने के निर्देश भी दिए गए। अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि 20 नवंबर को मंगल कलश यात्रा और नांदी सांस्कृतिक प्रस्तुति होगी। 21 नवंबर को राष्ट्रीय चित्र एवं मूर्तिकला प्रदर्शनी का शुभारंभ होगा। 22 नवंबर को राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी और पंडित सूर्यनारायण व्यास स्मृति व्याख्यान, 23 नवंबर को महाकवि कालिदास स्मृति व्याख्यान, 24 नवंबर को पद्मश्री वाकणकर स्मृति व्याख्यान व संस्कृत नाटक, 25 नवंबर को संस्कृत कवि समवाय और हिंदी नाटक, 26 नवंबर को संत समागम तथा 27 नवंबर को सांस्कृतिक प्रस्तुति एवं पुरस्कार वितरण होगा।

भोपाल का मास्टर प्लान 2047 में विकसित और हरित शहर की दिशा तय करेगा

***नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल का नया मास्टर प्लान वर्ष 2047 में शहर को विकसित और हरित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने नागरिकों से मास्टर प्लान के प्रारूप पर दावे-आपत्ति और सुझाव देने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सुगम परिवहन सेवा के तहत शहरों में ई-बस, जिलों के भीतर, अंतरजिला और अन्य राज्यों को जोड़ने वाली बस सेवाएं उपलब्ध होंगी। उज्जैन में धार्मिक पर्यटन के लिए बस सेवा भी शुरू की गई है। मुख्यमंत्री ने बाघ गुफा चित्रकारी, गिन्नौरगढ़ किला, चंबल घाटी के मंदिर समूह और उदयगिरि गुफाओं को यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि सेवा-संकल्प अभियान के तहत प्रदेश में लगभग तीन करोड़ 88 लाख दीप प्रज्ज्वलित किए गए और 650 से अधिक रक्तदान शिविरों में करीब 11 हजार इकाई रक्त एकत्र हुआ। भाषण और चित्रकला प्रतियोगिताओं में 40 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।*

मुख्यमंत्री ने सात अक्टूबर को होने वाले सेवा ज्योति कलश कार्यक्रम में अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग में 900 से अधिक अनुकंपा नियुक्ति आदेश जारी किए गए हैं। इनमें 600 से अधिक लिपिकीय और 200 से अधिक भृत्य पद शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने अन्य विभागों में भी लंबित प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अभिनेता एवं हास्य कलाकार मुश्ताक खान के निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका बचपन बैहर और बालाघाट में बीता था।

सिंहस्थ की राह में सहयोग की अनूठी मिसाल

- **शाही मस्जिद का प्रभावित हिस्सा समाजजनों ने स्वयं हटाया**
- **सड़क चौड़ीकरण के लिए सभी वर्ग आगे आए**
- **संवाद और सहमति से निकला रास्ता**

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण और आधारभूत संरचना विकास का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। इन विकास कार्यों में शहर के विभिन्न समाजों की सहभागिता सामने आ रही है। छत्री चौक स्थित शाही मस्जिद का सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रहा प्रभावित हिस्सा भी मस्जिद कमेटी और समाजजनों की सहमति से स्वयं हटाया जा रहा है। प्रशासन के अनुसार, इस पूरी प्रक्रिया में संवाद और समन्वय को प्राथमिकता दी गई है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने कहा कि सिंहस्थ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए शहर में बेहतर यातायात और सुविधाओं के लिए मास्टर प्लान के अनुरूप विकास कार्य किए जा रहे हैं। सड़क चौड़ीकरण की जद में आने वाले मकान, दुकान और धार्मिक स्थलों के संबंध में संबंधित समाजजनों से चर्चा की जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों और समाजों के लोग विकास कार्यों में स्वेच्छा से सहयोग कर रहे हैं।

शाही मस्जिद के प्रभावित हिस्से को हटाने को लेकर भी प्रशासन और मस्जिद कमेटी के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई। इसके बाद समाजजनों ने स्वयं दीवार के प्रभावित हिस्से को हटाने का काम शुरू किया। मस्जिद कमेटी के सदस्य फहीम सिकंदर के अनुसार, मुस्लिम समाज सड़क चौड़ीकरण का सम्मान करता है और आपसी सहमति से प्रभावित हिस्से को हटाने में सहयोग कर रहा है। काम को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है।

उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण के तहत बड़ी संख्या में भवन और धार्मिक स्थलों से जुड़े लोगों से चर्चा की गई है। प्रशासन का कहना है कि विकास कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाते हुए जहां आवश्यक है, वहां धार्मिक स्थलों के प्रभावित हिस्सों को भी संबंधित पक्षों की सहमति से व्यवस्थित किया जा रहा है।

सिंहस्थ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि उज्जैन की सामाजिक एकता, आतिथ्य और व्यवस्था की भी बड़ी परीक्षा है। ऐसे में शहर के विभिन्न वर्गों का विकास कार्यों में सहयोग उज्जैन की साझा जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करता है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और शांति एवं सद्भाव बनाए रखें।

प्रशासन की ओर से पोकलेन या जेसीबी नहीं

शाही मस्जिद पर कल फिर चलेगा काम, स्वेच्छा से हटाया जा रहा प्रभावित हिस्सा। कार्य सतत रहेगा जारी, इसमें प्रशासन की ओर से कोई पोकलेन या जेसीबी नहीं लाई गई। मस्जिद कमेटी और मुस्लिम समाज के लोगों ने स्वयं अपने हाथों से मस्जिद की दीवार को हटाने का काम शुरू किया है।

– फहीम सिकंदर, सदस्य, नुमाइंदा कमेटी

संवाद से निकला समाधान

शाही मस्जिद के प्रभावित हिस्से को लेकर प्रशासन और मस्जिद कमेटी के प्रतिनिधियों के बीच चर्चा हुई। बातचीत के बाद समाजजनों ने स्वयं प्रभावित हिस्से को हटाने की प्रक्रिया शुरू की। प्रशासन के अनुसार, पूरी प्रक्रिया में सहमति, समन्वय और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है।

सिंहस्थ के लिए तैयारी

- मार्गों का योजनाबद्ध चौड़ीकरण
- बेहतर यातायात व्यवस्था पर जोर
- आधारभूत संरचना का विस्तार
- विभिन्न समाजों की सहभागिता
- प्रभावित निर्माणों को लेकर संवाद
- अफवाहों से दूर रहने की अपील
- कानून-व्यवस्था और सुरक्षा पर विशेष ध्यान
- पूरी प्रक्रिया में सहमति और समन्वय।

विकास में सबकी भागीदारी

- 250 से अधिक मकान और धार्मिक स्थलों से जुड़े लोगों से चर्चा के दौरान सहयोग की सहमति सामने आई।
- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी अपने पैतृक मकान के प्रभावित हिस्से पर स्वयं कुदाल चलाकर सड़क चौड़ीकरण में सहयोग का संदेश दिया।
- सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुगम यातायात और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शहर के विभिन्न मार्गों पर विकास कार्य किए जा रहे हैं।

• साहब की निगरानी

तबीयत से खुशमिजाज और सभी से हंसकर-मुस्कुराकर मिलने की आदत अब भारी पड़ती नजर आ रही है। पिछले दिनों साहब को एक अस्पताल में इंजेक्शन लगना था। मजबूरी थी कि मैडम साथ में नहीं जा रही थीं, तो मैडम ने साहब की निगरानी के लिए कुछ कारिंदों को हिदायतें देकर भेजा कि इंजेक्शन मेल नर्स ही लगाएगी। मामला क्या है, यह तो आपको ही पता लगाना पड़ेगा।

• साहब का जन्मदिन

पिछले दिनों एक नए-नवेले साहब ने अपने जन्मदिन पर पार्टी रखी। उसमें अपने बैच के सभी साथियों को आमंत्रित किया। पार्टी तो खूब जमी, संगीत की महफिल भी जमी, लेकिन साहब की पहले जिनसे जमती थी, उनकी जगह किसी बाहरी से कुछ ज्यादा ही जम रही है। ऐसा पार्टी में उन्हें मिल रही तवज्जो से अंदाजा लगाया जा सकता है। मामला मालवा क्षेत्र के एक बड़े शहर का है।

• कदम रखते ही धमाल

बड़े साहब बहुत ईमानदार छवि के साथ अपनी पारी को आगे बढ़ा रहे हैं। पिछले दिनों एक बड़े विभाग का चार्ज मिला। विभाग में कदम रखते ही उन्होंने सभी पूर्व एवं वर्तमान अधिकारियों को कदमताल करने को मजबूर कर दिया। बड़े मामले में गड़बड़ी पकड़ने के साथ-साथ बहुत बड़ा घालमेल उनकी समझ में आया। देखना यह है कि अब उस पर पेट्रोल डाला जाता है या पानी।

• मास्टर प्लान ने नींदें हराम कीं

भोपाल में इन दिनों नए मास्टर प्लान की कार्यवाही प्रारंभिक स्तर पर है, लेकिन लंबे समय से मास्टर प्लान में अपने क्षेत्र की सड़कों और जमीनों के पास से इस मास्टर प्लान की रेल निकलेगी, यही उम्मीद थी। अब पूरा-पूरा नक्शा लेने की जद्दोजहद में लगे हैं बड़े साहब।

• हमारे साहब मुरव्वत नहीं करते

पिछले दिनों जनता से जुड़े एक विभाग में महिला अधिकारी की विदाई के बाद पधारे नए साहब अभी विभाग को समझ रहे हैं और फूंक-फूंककर कदम रख रहे हैं। उन्होंने कुछ कर्मचारी संगठनों को अपने विश्वस्त कारिंदों से यह मैसेज जरूर करवाया है कि साहब बहुत स्ट्रिक्ट हैं, मुरव्वत नहीं करते।

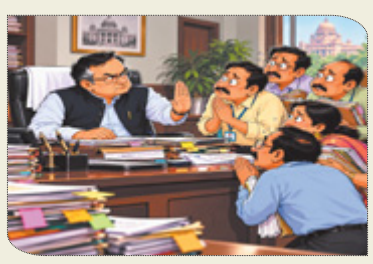

• काम से पहले दाम

सरकार के बहुत महत्वपूर्ण पद पर रहे एक बड़े साहब का बंगला राजधानी के सबसे महत्वपूर्ण मंत्रालय के नजदीक बनाया गया है। पहले साहब जो कहते थे, समय से पहले सहयोगी स्टाफ पूरा करता था, लेकिन साहब के राजधानी से रवाना होते ही अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। अब सभी काम के पहले राशि की मांग करते देखे जा सकते हैं।

बीज उत्पादन में तकनीकी नवाचार और स्थानीय फसलों पर जोर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मध्यप्रदेश बीज संघ की आम सभा की बैठक में संस्था की गतिविधियों और आगामी कार्ययोजना की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि बीज संघ को अमूल, इफको और कृभको की तर्ज पर सशक्त एवं अग्रणी सहकारी संस्था के रूप में विकसित करने के प्रयास तेज किए जाएं। अगले 2 से 5 वर्षों में इसे देश के प्रमुख बीज संस्थानों में स्थापित करने के लिए उत्पादन, अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और विपणन व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि किसानों को उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने के साथ आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा। बीज संघ द्वारा उद्यानिकी और धान के साथ तिल, अलसी, कपास, मूंगफली और मक्का जैसी फसलों के बीजों पर भी कार्य किया जा रहा है। छोटे आकार के बीजों में उन्नत कोटिंग एवं लोडिंग तकनीक के उपयोग की संभावनाओं पर भी काम किया जा रहा है। उन्होंने बीजों की बिक्री और वितरण व्यवस्था को प्राथमिक कृषि ऋण समितियों और किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से मजबूत करने के निर्देश दिए। साथ ही स्थानीय एवं पारंपरिक फसलों को बीज उत्पादन और विपणन की कार्ययोजना में प्राथमिकता देने को कहा।

एक रुपये किलो मिलेगा खाद्यान्न

विमुक्त-घुमंतू वर्ग के विद्यार्थियों को राहत

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू कल्याण विभाग के छात्रावासों, आश्रमों और सामुदायिक कल्याण केंद्रों में रहने वाले विद्यार्थियों एवं रहवासियों को एक रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खाद्यान्न उपलब्ध कराने की मंजूरी दी गई।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि इस निर्णय से इन संस्थानों में रहने वाले विद्यार्थियों को गेहूं और चावल पर आर्थिक राहत मिलेगी। यह सुविधा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विभाग के शासकीय छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों के समान होगी।

वर्तमान व्यवस्था में प्रत्येक रहवासी को प्रतिमाह 12 किलो गेहूं पांच रुपये प्रति किलो और तीन किलो चावल 6.50 रुपये प्रति किलो की दर से मिलता है। नई व्यवस्था में गेहूं और चावल दोनों एक रुपये प्रति किलो की दर से उपलब्ध होंगे।

इससे विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर आर्थिक बोझ कम होगा। इस व्यवस्था से राज्य शासन पर लगभग 52 लाख रुपये प्रतिवर्ष का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा, जिसे सरकार स्वयं वहन करेगी। मंत्री ने कहा कि यह निर्णय विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू वर्ग के विद्यार्थियों के कल्याण और जरूरतमंद वर्गों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

उज्जैन और ग्वालियर संभाग से मानसून की विदाई शुरू होने के संकेत

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश में तेज बारिश का दौर अब थमने वाला है। अगले चार दिन तक प्रदेश में कोई मानसूनी तंत्र सक्रिय नहीं रहने के कारण कई हिस्सों में तेज धूप खिलने का अनुमान है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर संभाग में इसका असर अधिक रहने की संभावना है। बुधवार-गुरुवार से प्रदेश से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई शुरू होने के आसार हैं। वर्तमान में राजस्थान और पंजाब के कई जिलों से मानसून लौट चुका है तथा मानसून वापसी की रेखा मध्य प्रदेश के पश्चिमी हिस्से तक पहुंच गई है। ऐसे में सबसे पहले उज्जैन और ग्वालियर संभाग से मानसून की विदाई होने के संकेत हैं।

मुख्यमंत्री ने पदक विजेता खिलाड़ियों को दी बधाई

नीरू ढांडा ने जीता स्वर्ण, मनीषा कीर-नीरू ढांडा-आशिमा अहलावत ने रजत और नरेंद्र बेरवाल ने कांस्य पदक जीता

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एशियन गेम्स 2026 में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों को बधाई दी। पुरुष 90 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग की मुक्केबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाले नरेंद्र बेरवाल को उन्होंने शुभकामनाएं दीं। महिला ट्रैप निशानेबाजी की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी भोपाल की खिलाड़ी नीरू ढांडा को भी बधाई दी। मुख्यमंत्री ने महिला ट्रैप निशानेबाजी की टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली मनीषा कीर, नीरू ढांडा और आशिमा अहलावत को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की उपलब्धियां देश और प्रदेश की बेटियों तथा युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी हैं।

कार्रवाई *खरगोन में करीब तीन करोड़ रुपये की गांजा फसल पकड़ी...*

नशे के खिलाफ कार्रवाई में 3.91 करोड़ रुपये की सामग्री जब्त

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, परिवहन और खेती के खिलाफ पिछले पांच दिनों में विभिन्न जिलों में कार्रवाई करते हुए 3 करोड़ 91 लाख रुपये से अधिक कीमत के मादक पदार्थ और संपत्ति जब्त की है। खरगोन में ऑपरेशन प्रहार के तहत अब तक की बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम जामली और गुवाड़ा ठाटा फलिया में छापेमारी की गई। दोनों स्थान

दुर्गम और मोबाइल नेटवर्क विहीन क्षेत्र में थे। पुलिस ने ड्रोन की सहायता से खेतों की तलाशी ली और 15,191 गांजे के पौधे जब्त किए। इनका कुल वजन 5,974 किलोग्राम और अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ 98 लाख 70 हजार रुपये है। मंदसौर में स्मैक, डोडाचूरा और एमडी सहित करीब 70 लाख 44 हजार रुपये की सामग्री व संपत्ति जब्त की गई।

इंदौर में एमडी और ब्राउन शुगर की अलग-अलग कार्रवाइयों में 9 लाख 40 हजार रुपये की सामग्री व संपत्ति जब्त हुई। नरसिंहपुर में 60.04 ग्राम स्मैक और मोटरसाइकिल सहित करीब आठ लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई। ग्वालियर में 13 किलो 128 ग्राम गांजा बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पन्ना में गांजा और मोटरसाइकिल सहित 1.46 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई। दमोह में 4 किलो 140 ग्राम गांजा बरामद कर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। शिवपुरी में गांजा और गांजे के पौधों की कार्रवाई में कुल 63 हजार 730 रुपये की संपत्ति जब्त की गई। पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई जारी है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com